

DPN 6327

Title : जन्त्र मन्त्र JANTRA MANTRA

Run. No. 7018

Cat. No. 40

Micro. No.

Subject *Astrology and Mantras* Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 18.5 x 9.5

Folios 26

Lines (in a page) 9 irregular

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Bajracharya

Material : palmleaf / paper / thya ✓ saphu /

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□
ॐ नमो सप्तदाय ॥ अथ काक पलिरया ते ॥ पूर्व चर्य दानसा काग दानसा
द्य काय भारपागु काज सौध जुमुओ ॥

P. T. O.

इति काव्य परीक्षा ॥

रक्तं रक्तं मय १ तिस्रें छंदस दसा ~~रक्तस~~ ५०० तक ॥

धनान असत (अल) धातु मादन लिखिते । वु, ओटो, सिजर, लिर,
स्वयम्बर, लिर, काहु, न पति दोष ।

१०१६
१०१६
१०१६

२३१

श्रीगणेशाय नमः
श्रीभगवान्य नमः
प्राणमसिन्नसगति
दुर्जोलावकादिपुनि
पुभनागामान्नसुनि
पक्षराजोनिनसप
वयञ्जोलावकाभा

१०१६

जन्म - मन्त्र

फरगीन्दरत्न वज्राचार्य

0

CMS

5

10

15

20

25

20

15

10

5

20

15

10

5

१ उ नमः ४ सा ल का य ॥ ॥ अथ का क वलि रया त व
 ७५ सा ल सा ॥ का ग सा ल सा क का म ल त वा ग का क सा
 य श म ॥ अथ नि का ता ७५ सा ल सा ॥ ध न मा यि ग
 २ द र्वा न ७५ सा ल सा ॥ नृ ग स त न ॥ अ दी त द सा व
 मि ग ॥ ध लि १ ८ न म स त सा ल सा ॥ धु ति वा सा ग म ॥
 ध लि १ स वा उ का सा सा ल सा ॥ अ न म य द उ व ॥ ध त
 १ स उ तु ल सा सा ल सा ॥ क ल ह द म ॥ ध ल १ व
 वि म ७५ सा ल सा ॥ स तु ल म य द उ ग ॥ ध ल १ म उ सा
 न ७५ सा ल सा ॥ ला क मा न्य द म ॥ च क मा य
 स मा ना ग सा ल सा ॥ ला त वा का क सि ध र म ॥

र सा ना ग सा ल सा ॥ ला सा रु का त इ ला ॥ २ ॥ प्रति धि
 ति म व ह ल मा स मा प त ॥ ३ ॥ अथ रु ति म व ह त
 मा ॥ ४ ॥ रु ति म व ह त स ॥ का क सा त सा अ ग ति र म
 श म ॥ अति धि ति म व ह ल मा स मा क ॥ अथ रु ति म व
 ति ल मा ॥ रु ति म व ह त स ॥ का क सा त सा ग म अ म र
 म मा ति ग ॥ व र व सा स सा त सा ॥ अ गी ल म मा ती ग
 अ गी का ता ७५ स सा त सा ॥ स त वा सा ना य ता म ॥
 प रि व त का ता न सा स सा त सा ॥ व मा ग री न म य मि व
 न म स त सा स सा त सा ॥ सा म मा लि ग ॥ व वि म सा स

हा त सा॥ द्दल क मा प्र द कुं डा॥ उ तु सा स हा त
 सा॥ अ ग व स तु ता प्र डा॥ सु सा न का ता न सा स हा त
 सा॥ मि तु ना व ता प्र डा॥ ३॥ च क मा द थ स सा ना ग हा त
 सा॥ हा त वा ग का ज सि थ रुं डा॥ ७॥ सु ति रु ति य व
 स त सा स मा व त॥ ४॥ सु थ व तु थ व स त स हा त सा॥ व
 तु र्व सा सा का क हा त सा॥ ता ग मा म ग त रुं डा॥ अ
 गि का त न ष स हा त सा॥ वा ग प्र डा॥ द शि व का ता
 न ष स हा त सा॥ कृ सा मि सा मा क डा न मा ती डा॥ न
 स त का ता द सा स हा त सा॥ क ता त सि प्र डा॥ मा र का

द प्र रु डा॥ व द्वि म मा स हा त सा॥ मा न ता ल॥ मि तु ना व ता प्र
 डा॥ सु को का ता द सा स हा त सा॥ मा न ता ल द प्र डा॥ उ तु न सा
 स हा त सा॥ का ज सि थ रुं डा॥ सु सा न सा स हा त सा॥ हा
 त व का ज सि थ प्र डा॥ ७॥ मि ति व तु थ व स त स हा त सा॥ व
 र आ ध ति स॥ व र्व सा स हा त सा॥ अ गि ति रु प्र॥ अ ग न का ता
 द सा स हा त सा॥ व धा स न द प्र डा॥ अ ष्ठी सि सा स रुं डा॥
 हा त सा॥ मा न ता ल द कुं डा॥ स त मा क स रुं डा हा त सा॥
 द र्शी न सा स हा त सा॥ मा न ता ल॥ त स न सा स हा त सा॥ ता

लाह द य ॥ वेदिसः सा मा ज हा ल सा ॥ ला य मा त्रि श ॥
 व य ॥ वे सा ॥ व य त सि मा स रु ना श हा ल सा ॥ सं य ति द य ॥
 श ॥ ज लं ग सि मा स रु ना श हा ल सा ॥ त ज रु न मि तु ना प ना ॥
 मि श ॥ ॥ वेदिसः सा स हा ल सा ॥ य ता व्री हि व रु ना ह ना व स
 रु रु हा ल सा ॥ रु य रु य पि ता ॥ वि हि द हा गा य ॥

ॐ ति का क य ति ज्ञा स मा क ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 उ न मा ॥ ग न सा य ॥ मा न य ति ज्ञा ॥ वि धा ति र्व त ॥ स ज
 र वी वा ल मा य ॥ व व रु त स ॥ व रु व सा स हा ल सा ॥ न
 ज लं ग रु य ॥ २ ॥ न व रु त स हा ल सा ॥ थ ज्ञा पि त म त

न रु मि श ॥ ३ ॥ सा व रु त स हा ल सा ॥ द रु रु उ वा त वा
 त रु य ॥ वा व रु त स हा ल सा ॥ क रु रु रु द न मा त्रि श ॥
 थ न व रु त स हा ल सा ॥ १ ॥ व रु त स हा ॥ रु मि नि का ता सा
 स हा ल सा ॥ रु य उ त वा त रु य रु ॥ २ ॥ न व रु त स हा ल सा ॥
 ला रु रु क रु य ॥ ॥

20

15

10

5

२ ॐ ज्ञोहिं ज्ञो हं तं सौं तां ॥ धमनः मनुष्या का स र्श
 मयायः स दुयाय लुका स थ न स तु मा तन या य द्वा स कु
 न मा त्र ह ॥ (ॐ) ॥ २ ॐ न मा अ स त म दि नि का तिः त ल दि वि
 ना या स तिः स न र द स र म स र ग या स थ ॥ ख त र ल त र ति नि य
 ता वः प्र ता ही मा न या ॥ २ ॐ र रु त सौ तां ॥ धमनः
 का ल स र ग रा क या स थ ॥ स दु या व स त स थ त रि यः ना मः
 का म ऊ स द श्रा म स तु मा त न थ ॥ वि द्रा थः मा स नि कु सी थ
 य नी अ न सः द्वा वा रा क त यः द वा त स त हा ता त यः थ मः
 दू र थ सो ना म्म या श रा नः सि व ता श न शः थ म क या त यः

माय

स दु या के स ता लः ल वि व ज ता या म या त ॥ (ॐ) ॥ ३ स ग
 तिं जिं सिं ॥ ३ ॐ तं सौं तां ॥ धमनः स दु या का वा त का या त यः
 म सा न या त ग या त न थ म र ताः ना म त म मा लः थु न र ता ॥
 क स कु म या यः स द्वा न मा ल न थ वि द्रा ॥ स य तं क न म क श
 र ता मा य म त श वा व रा क थ स न या र य म र म ग क थः

पितृव्यमय

ॐ क वि त स र थ म्म ता य न मा ॥ ॐ ना गी मा न मा ॥ ३ ॐ रु म्म
 य न मा ॥ ॐ न ना य न मा ॥ उ द स ह वा य न मा ॥ ॐ म्म
 मा त्र ता उ न ॥ ॥ य थ म कि दा व द म कः थ या व स

स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु स्रष्टु
 यदि यन इति द द्वाय मातः व द्वाय न मातः स्रष्टु
 व द न त प्रमातः थ म न प्रजात प्रसका तयाय मातः
 इति स्रष्टु त कावि यमा त स्रष्टु इति स्रष्टु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दत्तात्रेयं नमस्कृत्य ॥ यथा ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दत्तात्रेयं नमस्कृत्य ॥ यथा ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दत्तात्रेयं नमस्कृत्य ॥ यथा ॥

20

15

10

5

४ रवदी व ग्रीष्म ऋतु मकरासी
 १ वदी व ग्रीष्म ऋतु मकरासी
 २ मकरासी ऋतु मकरासी
 ३ मकरासी ऋतु मकरासी
 ४ मकरासी ऋतु मकरासी
 ५ मकरासी ऋतु मकरासी
 ६ मकरासी ऋतु मकरासी
 ७ मकरासी ऋतु मकरासी
 ८ मकरासी ऋतु मकरासी

४ मकरासी ऋतु मकरासी
 १ मकरासी ऋतु मकरासी
 २ मकरासी ऋतु मकरासी

रवदी व ग्रीष्म ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी
 मकरासी ऋतु मकरासी

20

15

10

5

0

ॐ दक्षिण भौर्व काल भौर्व से तो भौर्व
 रमास भौर्व सुत्तान भौर्व आ
 स भौर्व फट्ट स्वाहाः मन्त्र

ॐ इत्यंति ५०॥ कारि। नू किं वा किं निचले उच्यते
 लेन चले ५०॥ चले ५०॥ चले ५०॥ चले ५०॥
 चले ५०॥ चले ५०॥ चले ५०॥ चले ५०॥

गहिर्जलोत्पत्तिरासि विरक्तिवा चाः ॥ २९

ॐ हेलन विहेलन मखावायन नूहं मुष जहं वापि नामो हिना नामो
 हिप्रजा हि वद वस्य धानं वंधु मोहिना गते लेव कीनाग मोहि सिद्धि
 गुण आसाः धार स्वात्र चेट सिधर जणर पावतिय द्युरा नामो
 हन ॥ ॐ गुरु आसा मस्वा नाम हा विप्रार धावनी वी वाको मारिने
 सम ईदो विगुभानि रवायस्य मोई पावन आच ई मो सिद्धि गुरु आ
 साः धार ४ गवयः गाल मिसा बुसा जप लप न के वस्ये

CMS

5

10

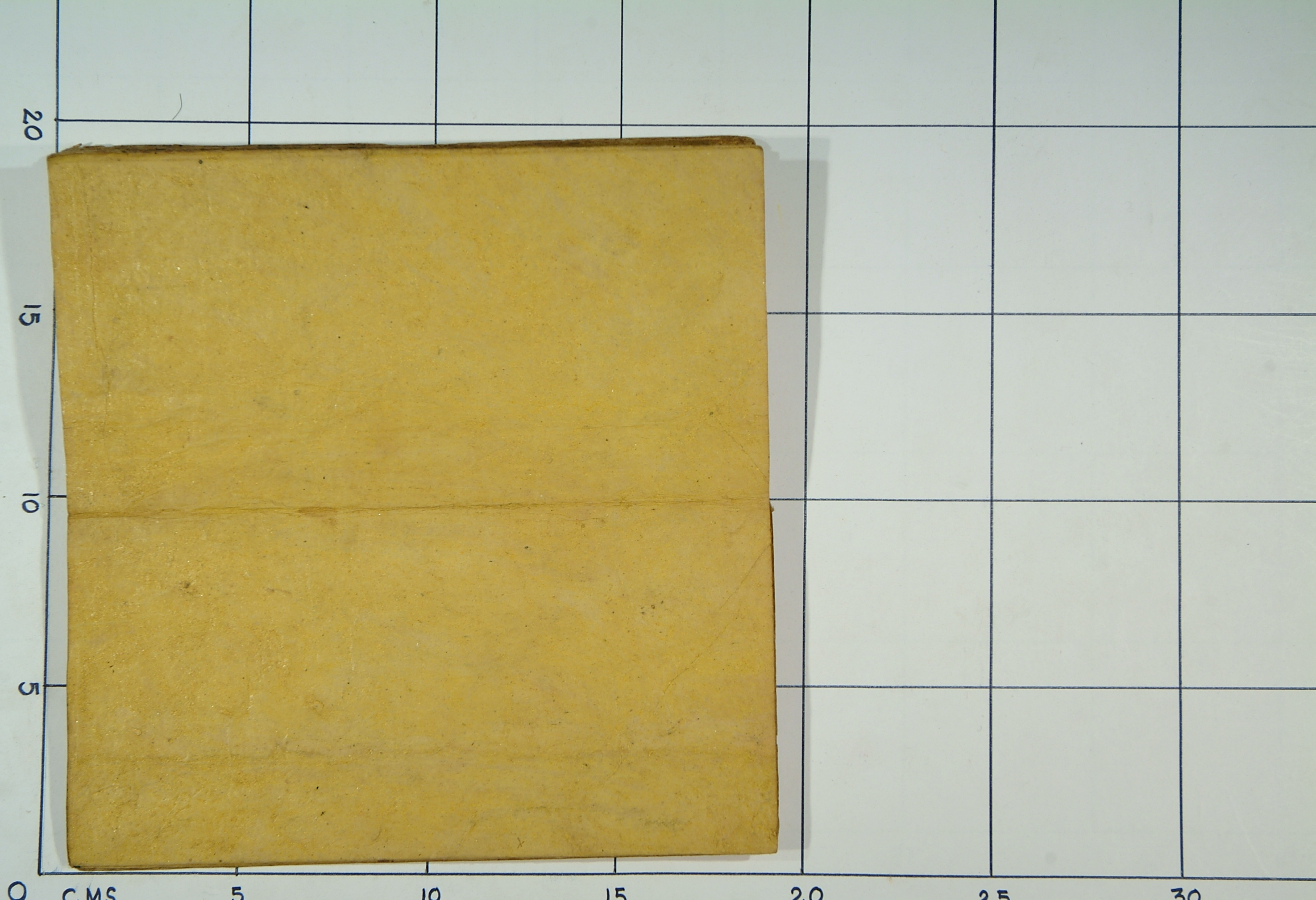
15

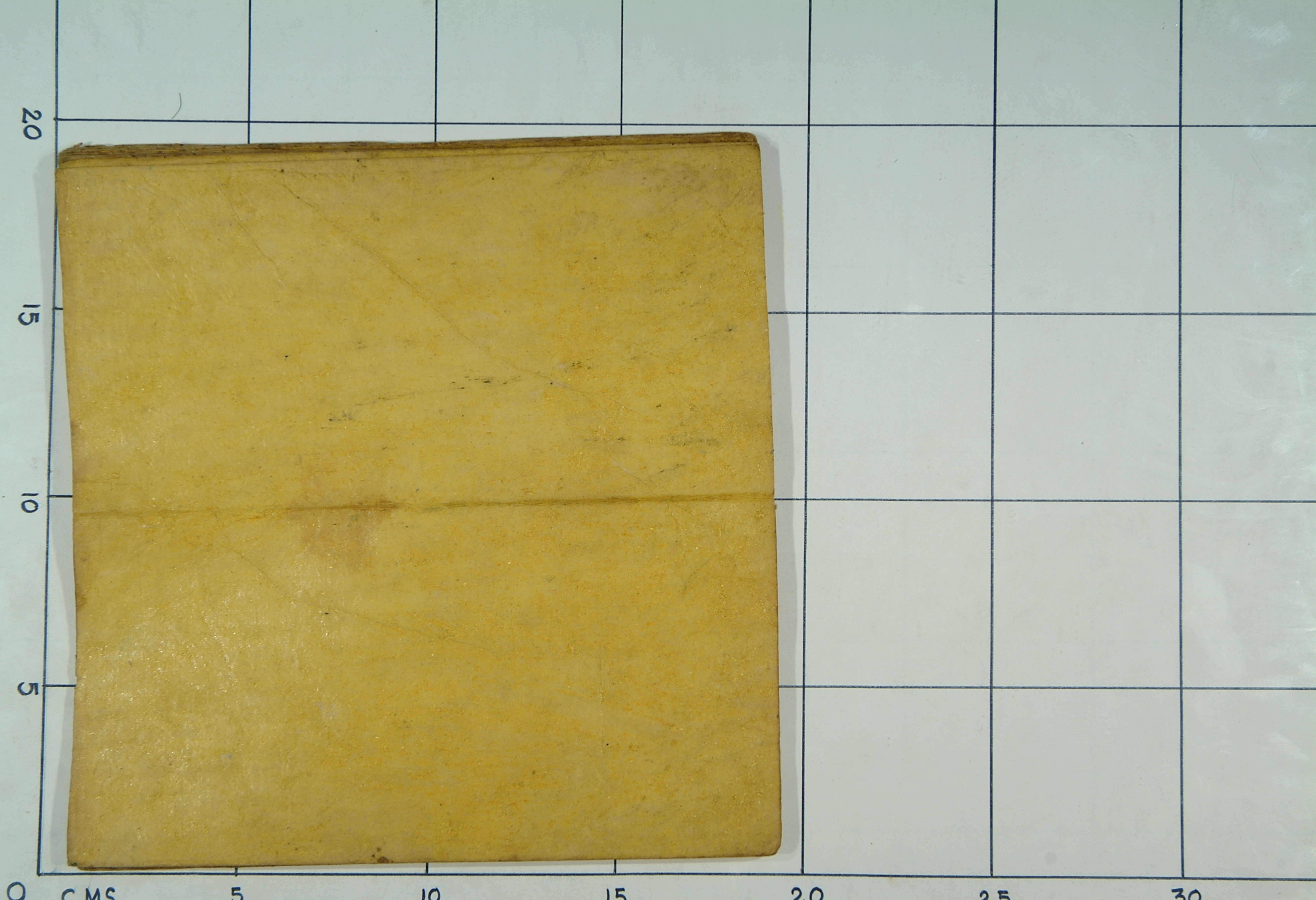
20

25

30

ॐ श्री ३ विजयमहासारिजु नमस्तुभ्यं ह्रीं स्वाहा धारु ॐ सि
धरुजयन्त पावमिसाकिन केवसिक मंगुल ॥



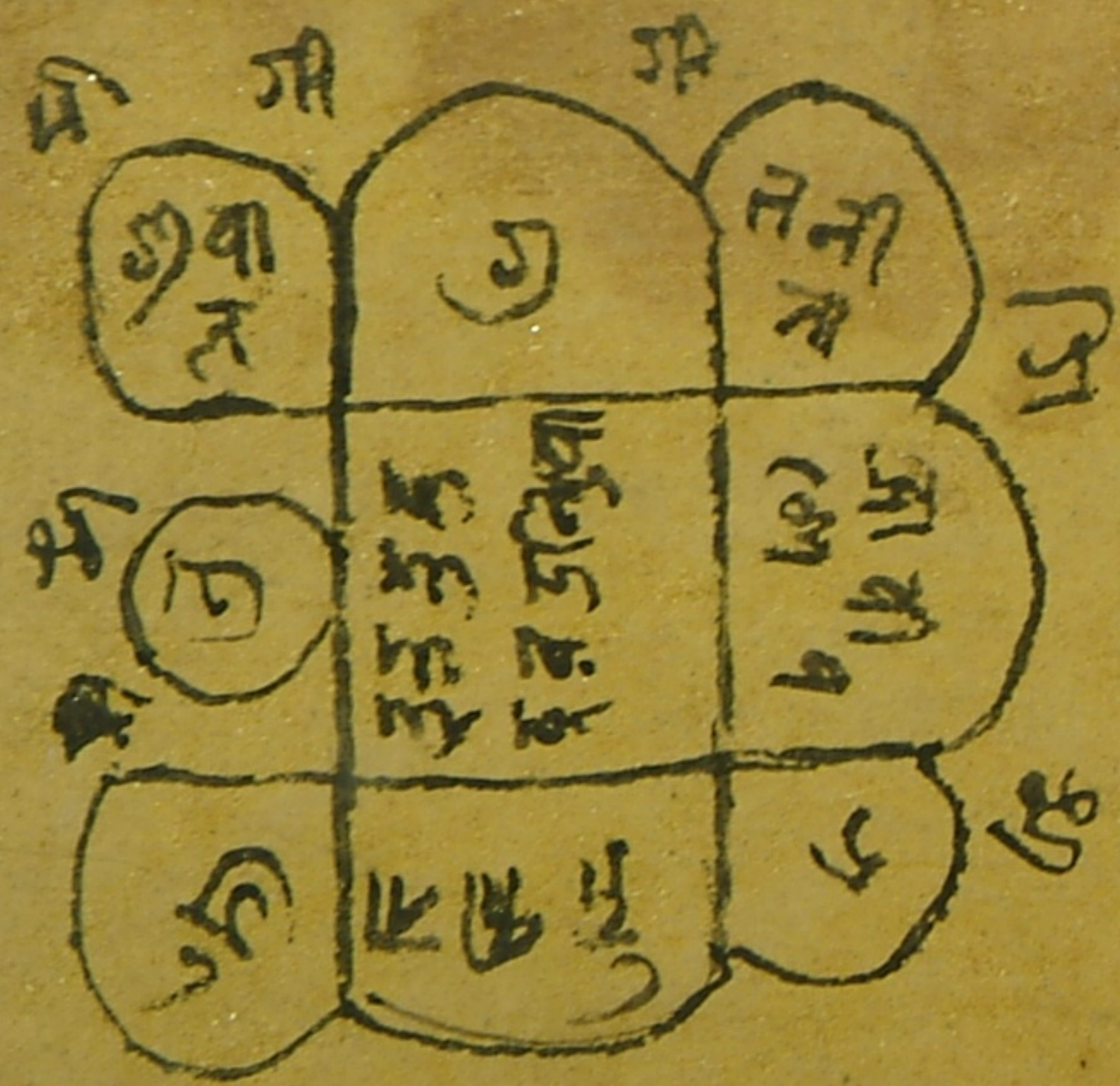


20

15

10

5



कु कु लो न वः क स नः ध न कु वा म
 व व म वा त स क मा नं न ध ह म
 श्री ग आ ज्ञा न न म

0

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

जन्त्र मन्त्र

फणीन्द्रल वज्राचार्य

विष्णु भक्त

१३ विष्णु भक्त

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१	१	१२	१२
२	२	१३	१३
३	३	१४	१४
४	४	१५	१५
५	५	१६	१६
६	६	१७	१७
७	७	१८	१८
८	८	१९	१९
९	९	२०	२०
१०	१०	२१	२१
११	११	२२	२२
१२	१२	२३	२३
१३	१३	२४	२४
१४	१४	२५	२५
१५	१५	२६	२६
१६	१६	२७	२७
१७	१७	२८	२८
१८	१८	२९	२९
१९	१९	३०	३०
२०	२०		
२१	२१		
२२	२२		
२३	२३		
२४	२४		
२५	२५		
२६	२६		
२७	२७		
२८	२८		
२९	२९		
३०	३०		

कृश प्रकं कृश	७	साध साध नशच गोस ५८	न चो नो नो स	३७
कृल दृग्गोठ	१२	साध साध चवन	न च ध च र व च गोस ५८	
कृश नि प्रो अ १२		साध नशानि स ५१	न च कृ कं र्थ य न	१५
कृश चो न र्थ गोस १५		साध द शीघ्र द्वा	न च सा धा नि स ५३	७३
कृश य च नि स	३०	साध प्रकं साध	न च नशो	
कृश कृ कं कृ नि स	३७	साध दृग्गोठ	न च सा ध य र द्वा १२	
कृश सा ध य च नि स ५२		साध नि प्रो अ र्थ गोस	न च नशो न का नि स ३१	
कृश सा ध य च गोस ५८		साध चो न र्थ गोस ५८	न च प्र कं द स	१०
कृश नशो र्थ य न	१५	साध यं च गो नि स	द स दृग्गोठ	३०
कृद सां स धि	७०	साध कृ कं अथ च गोस ५८	द स नि प्रो नि स	३०
साध प्रकं साध	१	साध सा ध चवन	द स चो न र्थ गोस ५०	
साध दृग्गोठ	१५	साध सा ध र्थ स धि	द स व च व च नि स ५०	
साध नि प्रो अ क पी स २१		साध नशो य र द्वा	द स कृ कं स धि स	७०
साध चो न र्थ गोस २८		साध गो स	द स सा ध य र द्वा १०	
साध यं चो च नि स ३१		न च प्र कं न श	द स सा ध य र्थ नि स ३०	
साध कृ कं य चो गोस ५२		न च दृग्गोठ	द स नशो न र्थ	१०
		न च नि प्रो अ का नि स ५१	द स द गो स	१००

१ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यन्मनसं श्रुत्वा
रुमादन लिखितं ॥ रुमादनः शिवा मादनः
सिद्ध मादनः लिमादनः स्वयं रुमादनः श्रीमा
दनः काष्ठा मादनः न मादनः धनं सत्रवध
रुमादन ॥ ॥ लुव निदायः शिवा विदायः

सिद्धव निदायः लिख निदायः स्वयं न यति
दायः श्रीन यतिदायः काष्ठा यतिदायः न यतिदा
यः ॥ ॥ यत्तु धनं काष्ठा ॥ ॥ लुहं मुकाशामि य
दुय ॥ घृति सधुनं धनं ३ विकन सधुनं धनं ३
(व्यमृत् सधुनं धनं ३ कां न खयाती सधुनं धनं ३ ध

धनकाशः याधननवृताशः धनकं वा कियान्न
मनऽगंधकर्मनऽ धननवाद्याकाशः वानवृना
शः मिसनयदिन १ एतमशुद्धशरुत ॥ ॥ ११
हावति मिसकुयः धनितिस धनधनत्र ३ विकन
सधनधनत्र ३ धनतिस धनधनत्र ३ अमृतस
धनधनत्र ३ अतकताइइस धनधनत्र ३ शाहाया

वृद्धिः अमुखातः वृद्धिनसागतः वृद्धिः वृत्रक
वाकियान्नः धननवाद्याकाशः वानवृनेः मिस
नयदिनवृद्धिः धननरुतमशुद्धशरुत ॥ ॥ सित
रति मिसकुयसकाशः धनतिस धनधनत्र ३ वि
कनस धनधनत्र ३ धनतायाताः धनतायाधनत
यः शाहाशः वानवृनेः धनमिसकुयः मिसयदिन

ॐ वरुन कारुत धातः सितरुत समरुत ॥ ॥

मित्रयानि मिसवुय ॥ सिकनस थुन धात २१ घुत
तिस थुन धात ३१ ॐ धस थुन धात ३ ॐ नमृति
थुन धात ३ श्रुत कना इइ स थुन धात ३ धन मिगना
उनिः मन सितः नांग मिउ निः वित कं वा किया हा
मन ५ धन नया च्या डा ११ वान वना ११ मिस नय

दिन १ धन मिरुत समरुत ॥ ॥ ॐ मि सवुय ॥

श्रुत वात स थुन धात ३ धन धुन का ११ ॐ नः मन सित
शन वात म ॥ वान धन मिस नय दिन १ था का या ११ ॐ न ॥

वित कं वा किया हा नया च्या ॥ वान धन मिस नय ॥ ध नि

५ धन नांग रुत म ॥ ॥ का का कानः श्रुत वा इइ नम १५

ॐ मरुत मन ५ वित कं वा किया हा मन ५ नांग मि न

मन ५ धन वान वना ११ मिस नय ॥ श्रुत वात १ धन वीग

एतमश्रुत ॥ ॥ काहाः खयः ॥ काहाः खयः ॥
 मंनः नशः सागः ॥ मंनः २ वित्तकं ३ क्रियाहा ॥ वनमा
 जहा ॥ वानवनाहा ॥ मिसुनमद्यमि ॥ धननसहाहस
 मश्रुत ॥ ॥ ग्राहामादन ॥ वायववि ॥ तिं धा तिं धा ॥
 जातइनवति दायाहा ॥ हं मुकाहा वुयाहा ॥ वायववि
 सथन धात्र ३ धनति सथन धात्र ३ विकन सथन
 धात्र ३ धासथन धात्र ३ धासथन धात्र ३

हात्रवुयाहा वनमानाहा ॥ धनः ३ धनमानाहा ॥ धायाव
 न ॥ कं वुयात्रानयावुयाहा ॥ वानवनि मिसुवुयः हं मु
 काहा ॥ ३ धात्र ॥ धनधनकाहा ॥ गंधकमंनः ३ धाध
 रमंनः ३ ग्राहा वुयात्रानयावुयाहा ॥ का नदुन मिसुत
 य ॥ दिन ॥ धननग्राहाहसमश्रुत ॥ ॥ ०, ० निसत्रम
 धातमादनविधि ॥ कं नभाहगवत वं वुनकाहा नध
 य ॥ सत्रवधहसमश्रुत ॥ यायमनयावताकश्रुत ॥

लुमादन ॥ तिकतात्रशसमरागयानाश ॥ नस्यन ॥
 छिहवनगमनवंध ॥ सत्रवत्रागनास ॥ सत्रिनितावा
 तनास ॥ सत्रिनिमत्रशुंश ॥ आयुविधिमुश ॥
 स१निदाआयु ॥ ॥ ११॥ क्षमादन ॥ त्रिनितात्रम
 न३त्रिकतात्रमन३धुतसमरागयानाश ॥ नस्य ॥ वा
 तयितनास ॥ स्थिरनमा ॥ कासनाय ॥ सनिवातनाय ॥

मिशानमयानयाखानिशा ॥ सत्रवत्रागनासयाकरु
 त ॥ वत्रधुतशत्र ॥ ॥ सितनादन ॥ ७७ मस्यहा ॥
 ७७ ०१ ॥ समलायाशानस्यन ॥ ७७ त्रिनि७७ क्षया ॥
 मानरुनशत्रमा ॥ कसतककुया ॥ वाकवाकशालया ॥
 रुतशक्षया ॥ खालया ॥ सत्रवत्रागनासयाकरुतसत्रि
 तनिमत्रशत्र ॥ ॥ लितनादन ॥ ७७ मस्येयुश ॥ सात
 तश ॥ ७७ यवुनश ॥ धुतसमरागयाशानस्य ॥ सत्रिद्व

कित्तगमयानसानमरुहक॥ कामविधि॥ वनविधि॥ दि
 न० कृतिविदुष्यमायविधि॥ वनधासतइयुता॥
 मागुसं॥ श्रावत्रयितसंनास॥ धाकसथाकमानास॥
 धनलगातासयाकइत॥ ॥ क्रमादन॥ सुविकु
 नश॥ समरागयानाश॥ विकनखुन॥ नित्रक॥ हय
 साहाकयक॥ साशदयावाकधायया॥ भात्रकचुया॥
 त्रिनिताकचुया॥ सवधायया॥ ॥

सातामादनश॥ लसाऊनश॥ समरागयाडाश॥ धयाधा
 वसाखचुन॥ धनरुयइइसकायाश॥ गुत्रिवीन॥ गन
 कतय॥ धशमसत्र॥ शसिलखसवुताश॥ मिखासकायक
 ॥ मिखासिकया॥ वासुया॥ वावाधया॥ खुतिशशया॥ स्वा
 विहाशया॥ माडया॥ मिखामाशमसत्र॥ सत्रवनागनास
 याकमिखामासत्र॥ ॥ वंगमादन॥ तसयात॥ धनया
 त॥ समरागयाडाविकनखुन॥ सत्रवधानसकायक॥

नमानावृषक ॥ किमदमक ॥ ननानां निश ॥ व्याधि
 नासक ॥ ॥ साहामादन ॥ तिकता रश ॥ शिखर ॥ ॐ
 मन ॥ ॐ हा ग ॥ विदवि ॥ हि ॥ ॐ हा रं ॥ सिन् वि ॥ सि
 वि ॥ ॐ वृ स ॥ धन रं ॥ स र स म र ग मा डान त्थ ॥ श्री म
 वि धि क मिश ॥ अति सा र सं ॥ अ री न सं ॥ अ मि प्रा क ॥ ॐ
 क री ग स ॥ स रिका री ग रं ॥ दिन व मि धा त्त स्य क रं ॥
 भा र स्य क रं ॥ ह रि म र य ॥ धन स र व ली ग ना स मा क ॥

र वि न न र सा ॥ स नि धि स ॥ र म र ॥ ध धा र मा द न र म
 स र र क स क र्य न द य क मा र श र ॥ न य ग र क म र १ य मा
 न र ॥ धि स ति अ स र ध र र ॥ ॐ ॐ धी री त्रि या ॥ अ स
 र ध र र स म र म स र ॥ स मा य रं ॥ स व र २ २ २ स र
 व दि र प्रा र ३ ना री धी री त्रि या म र ५ य र ६ र ७ र ८ ॥
 म र र मि न धी र्य वि य र ॥ ॐ ॐ य व रि मा र ६ य र व
 स म न म ॥ ॐ स र ७ र नि न म ॥ ॐ ग न व नि न म र ८ ॥

[illegible]

